

Roll No.

Total No. of Pages : 6

Total No. of Questions : 15

प्रथमा तृतीय वर्ष (8वीं) वार्षिक परीक्षा 2025-26

विषय कोड : 0809

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

निर्देश: — सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए —

5

(1) बालक परशुराम ने किससे शिक्षा प्राप्त की थी ?

(क) भगवान शिव से

(ख) भगवान विष्णु से

(ग) भगवान कृष्ण से

(घ) भगवान राम से

(2) 'धर्मात्मा' शब्द का सन्धि-विच्छेद है —

(क) धर्म + आत्मा

(ख) धर्मा + मा

(ग) धर्मा + आत्मा

(घ) धर्म + अत्मा

(3) वीर रस का स्थायी भाव है —

(क) क्रोध

(ख) उत्साह

(ग) रौद्र

(घ) निर्वेद

(4) सिकन्दर की छाती दहलती थी -

(क) गीत-संगीत से

(ख) बिजली के गरजने से

(ग) हिन्दुस्तान की तलवार से

(घ) बादल के फटने से

(5) अमृता देवी के साथ शहीद विश्‍नोइयों की संख्या थी -

(क) 362

(ख) 365

(ग) 363

(घ) 364

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

5

(1) एक समय में सौ प्रकार की बातें सुनकर दोहराने वाले व्यक्ति कहलाते हैं।

(शतावधानी/आस्तिक)

(2) महेश्वर को सूर्यवंश के राजा ने बसाया था।

(विक्रम/मान्धाता)

(3) कहा जाता है कि ऋषि ने भेड़ाघाट में तपस्या की थी।

(भृगु/शुक्राचार्य)

(4) हाथ-पाँव फूलना मुहावरे का अर्थ है

(घबरा जाना/खुश होना)

(5) रात का पर्यायवाची है।

(रजनी/रजनीपति)

3. सही जोड़ी बनाइए :

5

(1) शंखनाद

—

महाभारत

(2) धर्म से सम्बन्धित

—

मिताहारी

(3) श्रीमद्भगवद् गीता

—

असफलता

(4) कम खाने वाला

—

तत्पुरुष समास

(5) सफलता

—

धार्मिक

4. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय पहचान करके अलग-अलग कीजिए (कोई तीन) : 3

(1) अखण्ड

(2) प्रसिद्ध

(3) पर्यावरण

(4) सजावट

(5) लिखाई

5. अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद उनके सामने लिखिए : 2

(1) कल कौन आ रहा है ?

(2) आपकी यात्रा शुभ हो।

6. अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 18

(1) तुलसीदास ने अपने ग्रन्थों की रचना किसको केन्द्र में रखकर की है ?

(2) पाषाण युग का मानव किस प्रकार का जीवन जीता था ?

(3) राक्षस सेना के चलने पर धरती पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(4) नर्मदा के तट पर शिव मंदिर किसने बनाया था ?

(5) कोयल और कौए की वाणी में क्या अन्तर है ?

(6) किस बात को मान लेने से हमारी शक्ति आधी हो जाती है ?

7. लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए (कोई चार) :

20

- (1) मीरा की भक्ति-भावना पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
- (2) 'भेड़ाघाट' पाठ का लेखक विधाता को क्या चुनौती देना चाहता है और क्यों ?
- (3) आर्यभट्ट को प्राचीन भारतीय विज्ञान का सबसे चमकीला सितारा क्यों कहा जाता है ?
- (4) वसीयतनामे में क्या लिखा था ?
- (5) रेडक्रॉस के सदस्य क्या कार्य करते हैं ?
- (6) 'चित्तौड़ का जौहर' क्यों प्रसिद्ध है ?

8. मध्य प्रदेश को आदि मानव की जीवनस्थली क्यों कहा जाता है ?

5

अथवा

गाँधीजी ने नैटाल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना क्यों की थी ?

9. बुनियादी शिक्षा के बारे में गाँधीजी के क्या विचार थे ?

5

अथवा

बिरसा मुण्डा के आन्दोलन के क्या कारण थे ?

10. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

5

पथ भूल न जाना पथिक कहीं

पथ में कांटे तो होंगे ही

दुर्वादल सरिता सर होंगे

सुंदर गिरि वन वापी होंगे

सुंदरता की मृगतृष्णा में

पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

11. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

5

“चाँद आता है, तो चाँदी जैसी चमक उठती है;

सूरज आता है, तो उस जैसी ही तप उठती है।”

12. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4

एक बंदर जंगल में खेल रहा था। वह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर कूद रहा था। दूसरे पेड़ पर पहुँचते ही उसने वहाँ बहुत सारे फल देखे। उसने एक बड़े से अमरूद को छोड़कर एक छोटे-से बेर को पकड़ा। वह खुशी से नाच रहा था।

(1) बंदर कहाँ खेल रहा था ?

(2) बंदर ने क्या देखा ?

(3) “पेड़” शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

(4) खुशी से कौन नाच रहा था ?

13. अपठित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

4

हँसते-खिलखिलाते रंग-बिरंगे फूल

क्यारी में देखकर

हो गया जी तृप्त।

नथुनों से प्राणों तक खिंच गई

गंध की लकीर-सी

आँखों में हो गयी रंगों की बरसात

अनायास कह उठा दिल वाह

धन्य है वसंत ऋतु।

- (1) कवि ने किस ऋतु का वर्णन किया है?
- (2) रंग-बिरंगे फूलों को देखकर कवि के मन में कौनसा भाव आया ?
- (3) "गंध" की लकीर-सी से क्या अभिप्राय है ?
- (4) पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

14. अपने प्रधानाचार्य को साँची घूमने जाने के लिए तीन दिवस के अवकाश हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

6

अथवा

पिताजी को वार्षिक परीक्षा की जानकारी देते हुए पत्र लिखिए।

15. किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

8

- (1) गणतंत्र दिवस
- (2) पर्यावरण प्रदूषण
- (3) कम्प्यूटर की उपयोगिता
- (4) खेलों का महत्व
- (5) अनुशासन